(शोध - सारांश)

Abstract

महादेवी वर्मा और रवीन्द्रनाथ ठाकुर की रहस्यवादी कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रस्तुत शोध - प्रबंध को अध्ययन और विवेचन की सुविधा के लिए भूमिका और उपसंहार के अतिरिक्त छह अध्यायों में विभाजित किया गया हैं, जो इस प्रकार है -

प्रथम अध्याय - "रहस्यवाद : स्वरूप और विकास - हिंदी काव्य के सन्दर्भ मे" शीर्षक के अंतर्गत परिभाषाओं के आलोक में रहस्य और रहस्यवाद में अंतर स्पष्ट करते हुए रहस्यवाद के स्वरूप और विकास पर चर्चा की गई हैं। हिंदी साहित्य में रहस्यवाद की परम्परा का विवेचन विश्लेषण के साथ नव्य रहस्यवाद पर भी प्रकाश डाला गया है।

द्वितीय अध्याय - "महादेवी वर्मा और रवीन्द्रनाथ ठाकुर की रहस्यवादी कविताएँ - एक परिचय" शीर्षक के अंतर्गत कवयित्री महादेवी और कविगुरु रवीन्द्रनाथ के पारिवारिक, शिक्षा-दीक्षा, पेशा और सामजिक परिवेश पर चर्चा की गई है। इस सन्दर्भ में महादेवी एवं रवीन्द्रनाथ के उस परिवेश का विश्लेषण अपेक्षित है, जिसने इन दोनों के भीतर के रचनाकारों का निर्माण किया। इसके उपरांत इन दोनों के रहस्यवादी काव्य का विवेचन - विश्लेषण करते हुए विशद् चर्चा की गई हैं।

तृतीय अध्याय - "प्रकृति सम्बन्धी रहस्यवाद - महादेवी वर्मा एवं रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कविताएँ" शीर्षक के अंतर्गत महादेवी और रवीन्द्रनाथ की रहस्यवादी कविताओं में प्रकृति का आलंबन रूप, उद्दीपन रूप, मानवीय रूप के साथ - साथ प्रकृति सम्बन्धी रहस्यवादी काव्य पर स्पष्ट चर्चा किया गया है।

चतुर्थ अध्याय - "भावात्मक रहस्यवाद - महादेवी वर्मा एवं रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कविताएँ" शीर्षक के अंतर्गत महादेवी और रवीन्द्रनाथ की भावात्मक रहस्यवादी कविताओं में अलौकिक प्रणय भाव, करुणा, वेदना और दुखवाद पर विवेचन - विश्लेषण के साथ दोनों के भावात्मक रहस्यवादी कविताओं का लोक कल्याणकारी पक्ष पर भी चर्चा की गई हैं |

पंचम अध्याय - "धर्म, दर्शन एवं साधना सम्बन्धी रहस्यवाद - महादेवी वर्मा एवं रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कविताएँ" शीर्षक के अंतर्गत धर्म, दर्शन और साधना संबंधी अर्थ और परिभाषा स्पष्ट करते हुए, दोनों के रहस्यवादी कविताओं में धर्म, दर्शन, साधना संबंधी पक्ष पर विशद् चर्चा की गई है और दोनों के बीच साम्य वैषम्य स्पष्ट किया गया है।

छठा अध्याय - "भाषिक अभिव्यंजना - महादेवी वर्मा एवं रवीन्द्रनाथ ठाकुर की रहस्यवादी कविताएँ" शीर्षक के अंतर्गत, महादेवी और रवीन्द्रनाथ के रहस्यवादी कविताओं को आधार बनाकर उनके काव्य में छंद, अलंकर, शब्द चित्र, प्रतीक, रूपक, बिम्ब पर चर्चा की गई हैं।

इस प्रकार महादेवी वर्मा और रवीन्द्रनाथ ठाकुर की रहस्यवादी कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन के बाद उपसंहार प्रस्तुत कर, अंत में सन्दर्भ ग्रन्थ सूची दी गई है।

अंजू सिंह, शोधार्थी,
विद्यासागर विश्वविद्यालय, मेदिनीपुर
रजिस्ट्रेशन नं. - 1079 of 2014-15